वन उत्पादकता संस्थान, रांची

अंतराष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर आयोजित बांस कारीगर मेले में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा सहभागिता

स्थान : दुमका

दिनांक 18.09.2019 एवं 19.09.2019

निदेशक वन उत्पादकता संस्थान, रांची के नेतृत्व एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) के मार्गदर्शन में दिनांक 18.09.19 एवं 19.09.19 को अंतराष्ट्रीय बांस दिवस के अवसर पर दुमका में आयोजित बांस कारीगर मेला कार्यक्रम में वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने भाग लिया|

इस अवसर पर बांस आधारित विभिन्न विषयों जैसे बांस क्या है, पूर्वी क्षेत्र में पाए जाने वाली बाँस की प्रजातियां, बांस पौधशाला तकनीक, बांस रोपण तकनीक, बांस परिचय एवं उपयोग, टिशू कल्चर द्वारा बांस तैयार करने की तकनीक, बांस के साथ कृषि - वानिकी तकनीक के उपर संस्थान के द्वारा किये गये कार्यो का विवरण पोस्टर के माध्यम से किया गया | संस्थान के अधिकारियों श्री रविशंकर प्रसाद, श्री सचिदानंद वैध, श्री निसार आलम एवं श्री सुरज कुमार ने बांस कारीगर मेले में आए बांस कृषकों, बांस कारीगर, स्वयंसेवी संस्था, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं वन अधिकारियों के साथ बांस के प्रकार, बांस की खेती एवं अधिक उत्पादन के लिए बांस के विभिन्न तकनीक विषयों के बारे में विस्तार से चर्चा कि गई | बांस कारीगर मेले में संस्थान ने विभिन्न प्रजाति (रोपा बांस,तरल बांस,पीला बांस,लाठी बांस, भालु बांस एव काला बांस) के बांस के पौधो को प्रदर्शन के लिए रखा ग़या तथा ग्रामीणों एवं कृषकों को इसके उपयोग एवं उत्पादन के विषय में तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया गया|

दिनांक 18.09.19 को झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने जन समूहों तथा स्टॉल समूहो को संबोधित किया| इस अवसर पर सभा में संस्थान के निदेशक डॉ॰ नितिन कुलकर्णी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनिमेष सिन्हा भी उपस्थित रहे|

झारखण्ड राज्य के महामहिम राज्यपाल ने बांस कारीगरों एवं जन समूहों को बांस उत्पादन बढ़ाने तथा बांस की कारीगरी में विश्व स्तर पर पहचान बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया|

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डा॰ नितिन कुलकर्णी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा॰ अनिमेष सिन्हा ने **बांस कारीगर सम्मेलन, 2019/Bamboo Artisans Conclave, 2019** के संगोष्ठी में भाग लिया तथा संस्थान के निदेशक के निर्देशन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डा॰ अनिमेष सिन्हा ने **Bamboo Species of Jharkhand: Distribution, Utilization and Planting Stock Improvement** विषय पर अपना व्याख्यान दिया|

संस्थान के लगाये गए स्टाल पर विदेशी आगंतुको ने भी बांस के क्षेत्रों में संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों में अपनी अभिरुचि जताई। अन्य देशो से आए आगंतुकों ने अपनी रुचि संस्थान द्वारा संकलित बांस के महत्वपूर्ण प्रजातियों में ली तथा बांस प्रवर्धन की विभिन्न तकनीकियो के बारे जानकारियाँ ली तथा भविष्य में संस्थान के साथ साझा कार्यक्रम शुरू करने की भी मंशा जताई।

वन उत्पादकता संस्थान द्वारा स्टॉल पर आए आगंतुकों को बांस आधारित पठन सामग्री , लाख की खेती पर पुस्तक, औषधीय खेती पुस्तक तथा पम्पलेट एव संस्थान का ब्रोचूर आदि नि:शुल्क वितरण किया गया तथा विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। संस्थान के अधिकारियों ने बांस कृषकों, बांस कारीगर, स्वयंसेवी संस्था, ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं वन अधिकारियों के साथ संस्थान मैँ विभिन्न विषयों पर आयोजित होनेवाली प्रशिक्षण के वारे में भी चर्चा की।

दिनांक 19.09.19 को दुमका आउट डोर स्टेडियम में बांस कारीगर मेले का समापन झारखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास द्वारा किया गया| इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने जन समूहों एवं बांस कारीगरों को आहवान किया कि झारखण्ड राज्य को बांस एवं उसके उत्पाद के मामले में चीन से आगे ले जाना होगा। संस्थान द्वारा लगाए गए स्टॉल का लगभग 1500 आगंतुकों ने भ्रमण किया जिसमे से लगभग 560 लोगों का पंजीकरण भी किया गया। आगंतुकों को उपर्युक्त विषय पर संस्थान के अधिकारियों द्वारा संतोषप्रद जानकारी दी गयी|इस दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल वनाने मैँ संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस॰ एन॰ वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री रवीशंकर प्रसाद , मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री सूरज कुमार, तकनीकी सहायक ने अपना विशेष सराहनीय योगदान दिया|

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान के शिविर में आगंतुकों को बांस उत्पादन पर तकनीकी जानकारी

वन उत्पादकता संस्थान के शिविर में आगंतुकों को बांस उत्पादन पर तकनीकी जानकारी